तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 40/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 21 मई, 2019

(www.trai.gov.in)

31 मार्च, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1161.81**	**21.70**	**1183.51**
मार्च, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-21.87	-0.02	-21.89
मासिक वृद्धि दर	-1.85%	-0.09%	-1.82%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**650.49**	**18.67**	**669.16**
मार्च, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-6.09	0.01	-6.08
मासिक वृद्धि दर	-0.93%	0.04%	-0.90%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**511.32**	**3.02**	**514.35**
मार्च, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-15.78	-0.03	-15.81
मासिक वृद्धि दर	-2.99%	-0.87%	-2.98%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**88.46**	**1.65**	**90.11**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	155.49	4.46	159.96
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	57.13	0.34	57.47
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.99%	86.06%	56.54%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.01%	13.94%	43.46%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**544.89**	**18.42**	**563.31**

- मार्च, 2019 के माह में 5.30 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से फरवरी, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 423.11 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2019 के अंत तक 428.40 मिलियन हो गया।

- मार्च, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1,021.75 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,205.40 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 1,183.51 हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 1.82 प्रतिशत दर्ज की गयी। फरवरी, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 675.24 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 669.16 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 530.16 मिलियन से घटकर 514.35 मिलियन हो गई। मार्च, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर क्रमशः 0.90 प्रतिशत तथा 2.98 प्रतिशत रही।

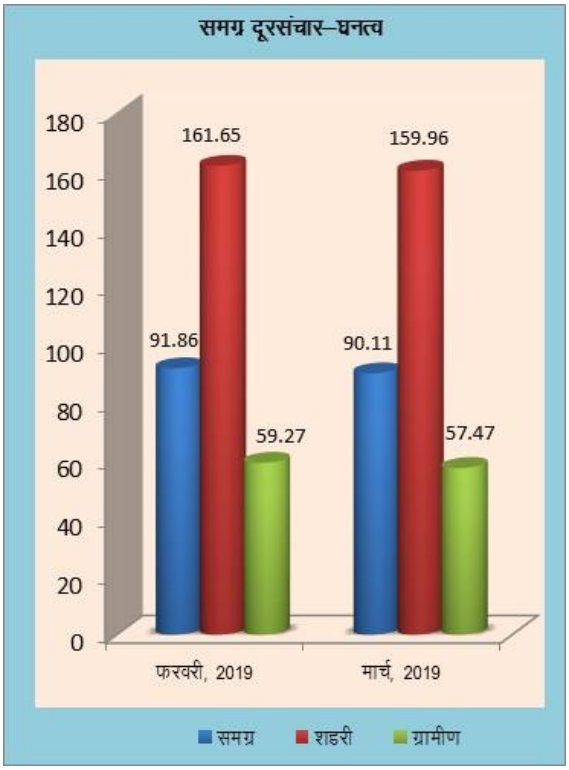

- फरवरी, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.86 से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 90.11 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2019 के अंत तक 161.65 से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 159.96 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी फरवरी, 2019 के अंत तक 59.27 से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 57.47 हो गया। मार्च, 2019 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.54 प्रतिशत तथा 43.46 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

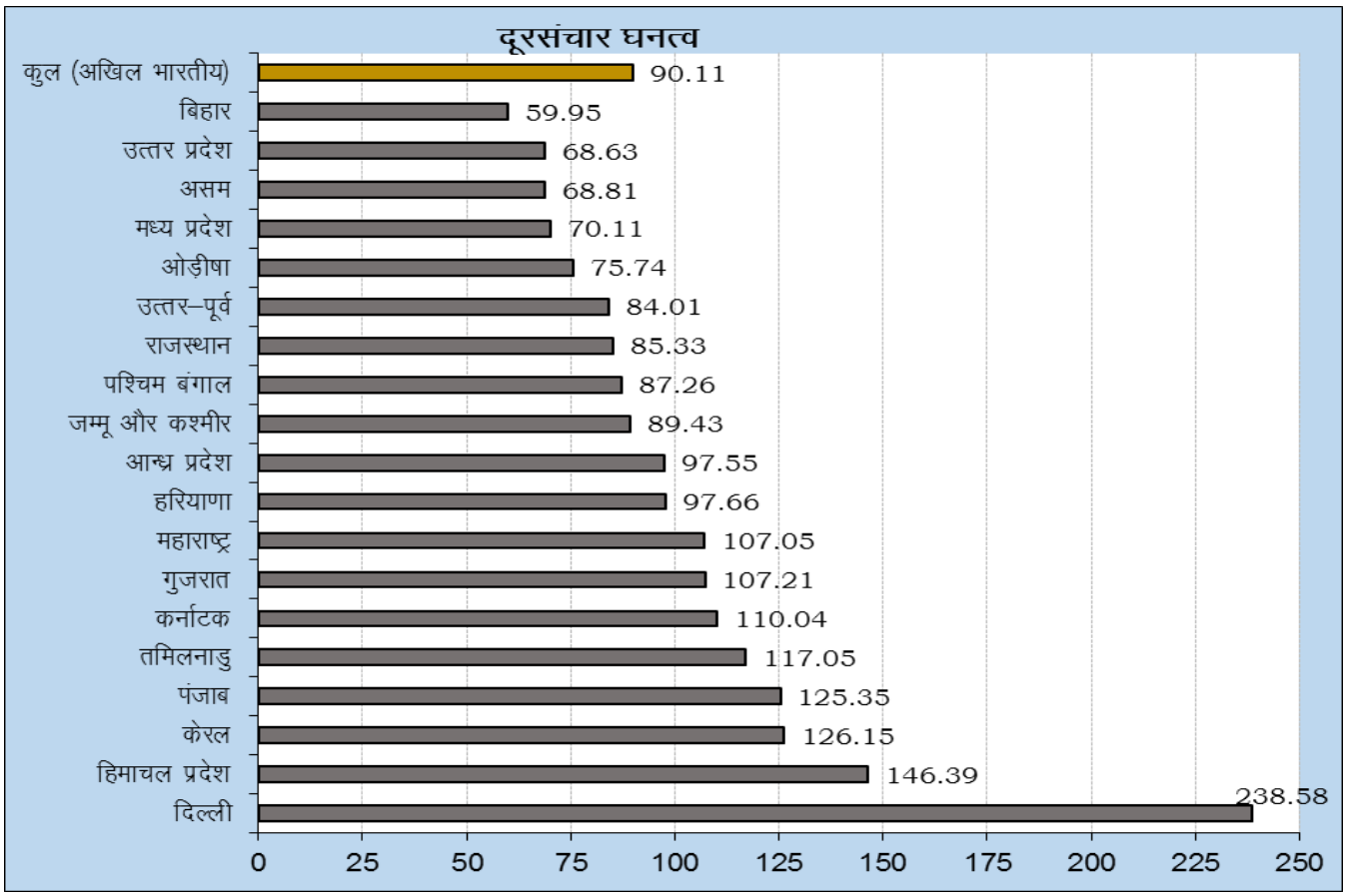

- मार्च, 2019 के अंत में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 238.58 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 59.95 रहा।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

मार्च, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मार्च, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	14,450	-6,045,163	8,545,150	399,664,826
श्रेणी – ख	-34,896	-10695,683	5,362,969	471,075,852
श्रेणी – ग	-2,531	-4,642,996	900,587	174,582,065
महानगर	3,055	-483,446	6,887,630	116,488,826
अखिल भारतीय	**-19,922**	**-21,867,288**	**21,696,336**	**1,161,811,569**

मार्च, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2019 से मार्च, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च, 2018 से मार्च, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	0.17	-1.49	-5.17	-3.28
श्रेणी – ख	-0.65	-2.22	-7.18	0.85
श्रेणी – ग	-0.28	-2.59	-14.06	-5.45
महानगर	0.04	-0.41	-1.24	-1.67
अखिल भारतीय	**-0.09**	**-1.85**	**-4.89**	**-1.82**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मार्च, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल कमी दर्ज की गई है। हालांकि वार्षिक आधार पर श्रेणी–ख में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, मार्च, 2019 माह के दौरान श्रेणी–क एवं महानगर श्रेणी में उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है जबकि श्रेणी–ख एवं श्रेणी–ग में उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान वार्षिक आधार पर सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,183.68 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 1,161.81 मिलियन हो गई तथा मासिक ह्रास दर 1.85 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2019 के अंत तक 656.57 मिलियन से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 650.49 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 527.11 मिलियन से घटकर 511.32 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर क्रमशः 0.93 प्रतिशत तथा 2.99 प्रतिशत रही।

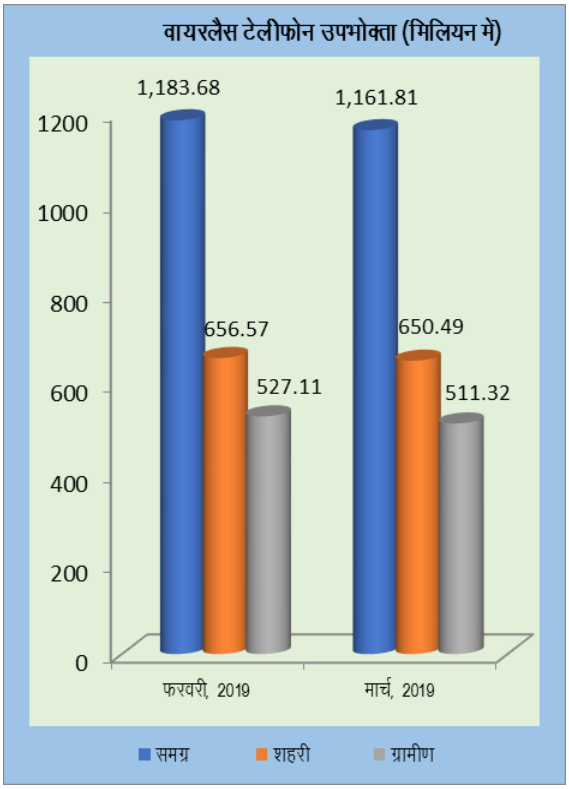

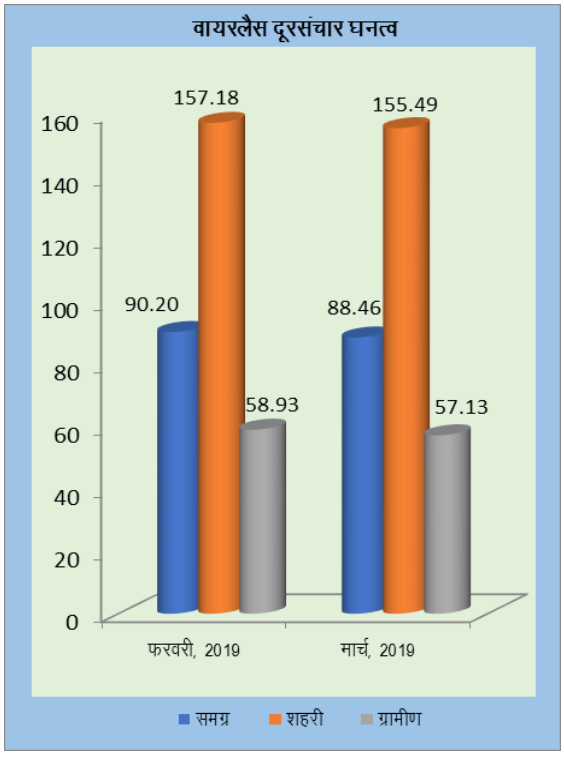

- फरवरी, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 90.20 से घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 88.46 हो गया। शहरी क्षेत्रों में फरवरी, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 157.18 से घटकर मार्च, 2019 के अंत में 155.49 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व भी 58.93 से घटकर 57.13 हो गया। मार्च, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.99 प्रतिशत तथा 44.01 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.74 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.26 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

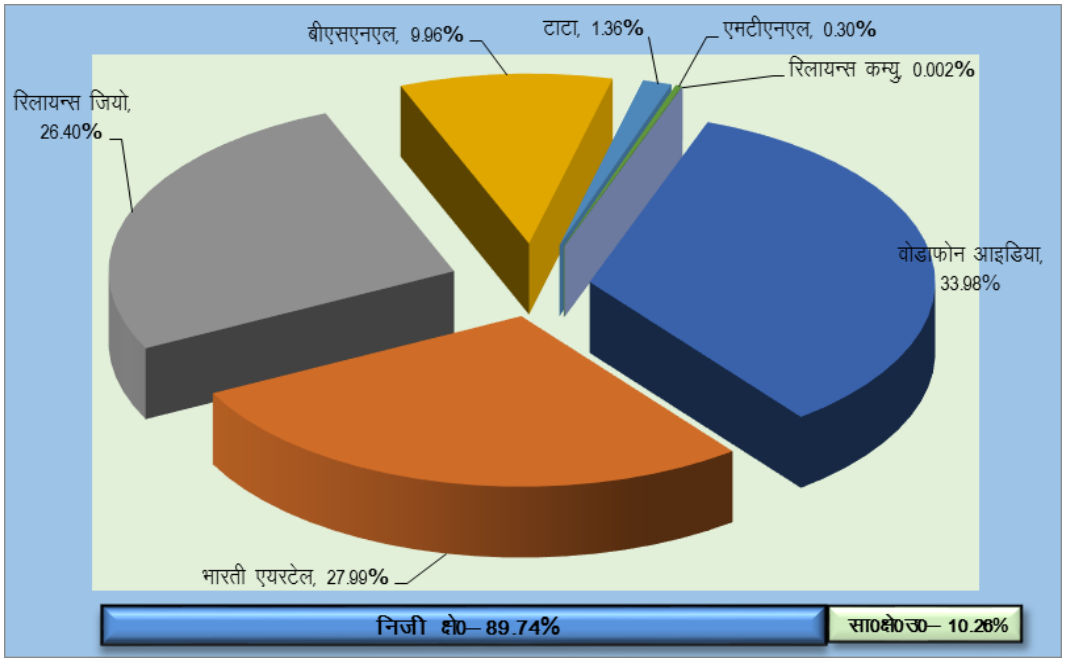

मार्च, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

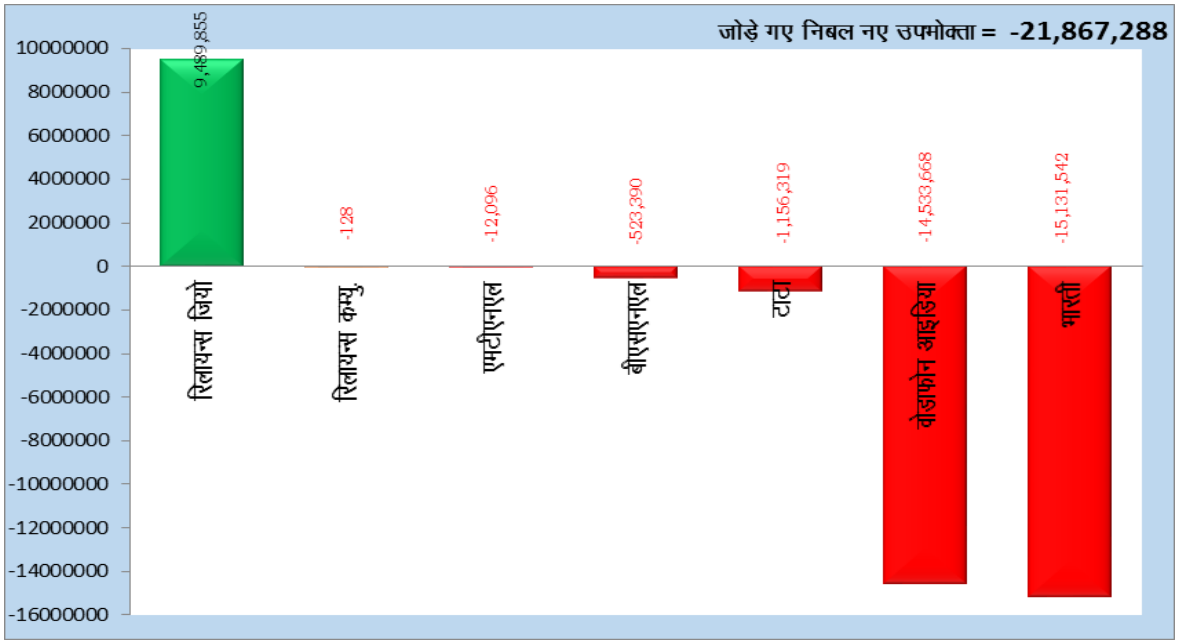

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह से अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मार्च, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,161.81 मिलियन) में से 1,021.75 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 87.94 प्रतिशत था।

- मार्च, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

मार्च, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

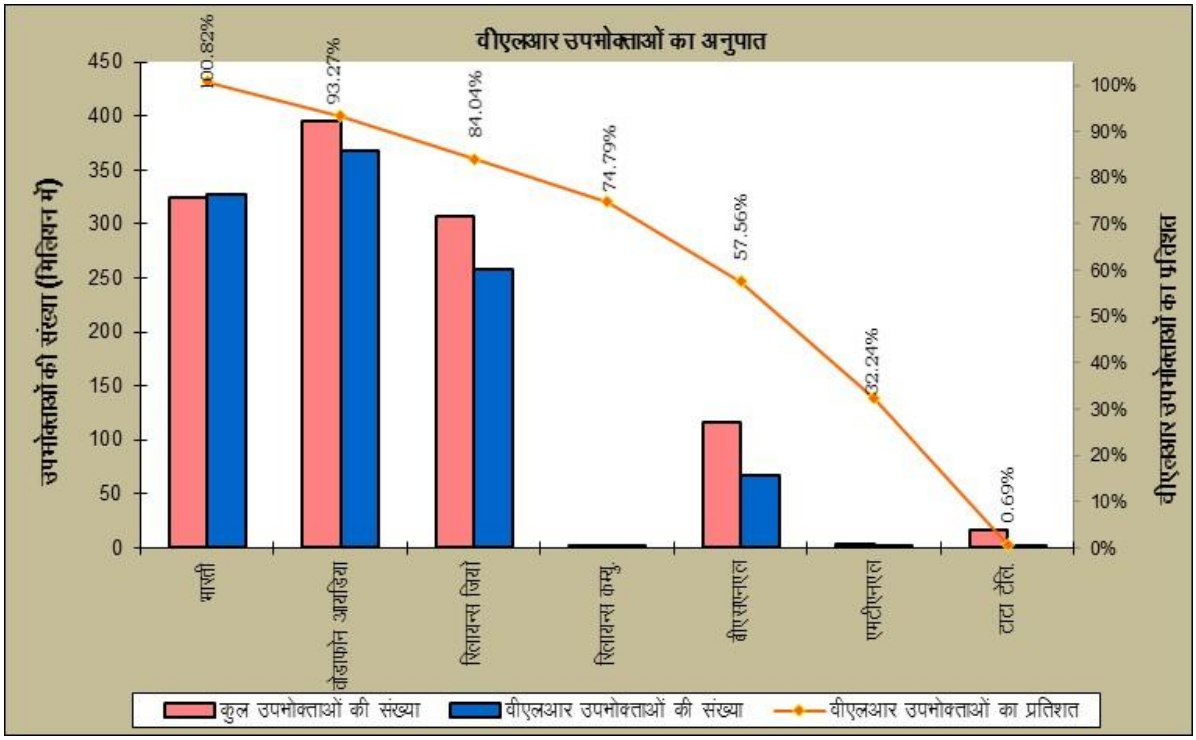

- मार्च, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 100.82 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

मार्च, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

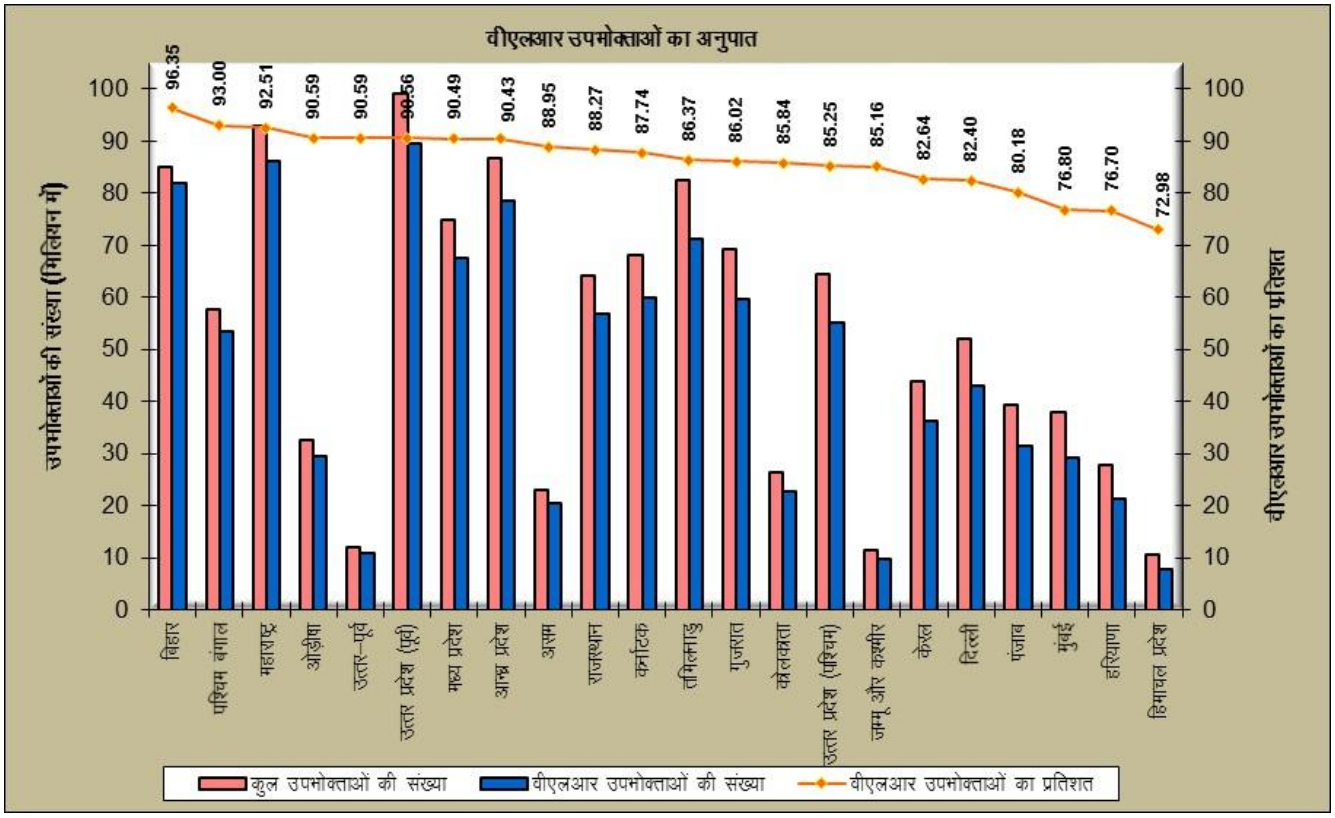

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

मार्च, 2019 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

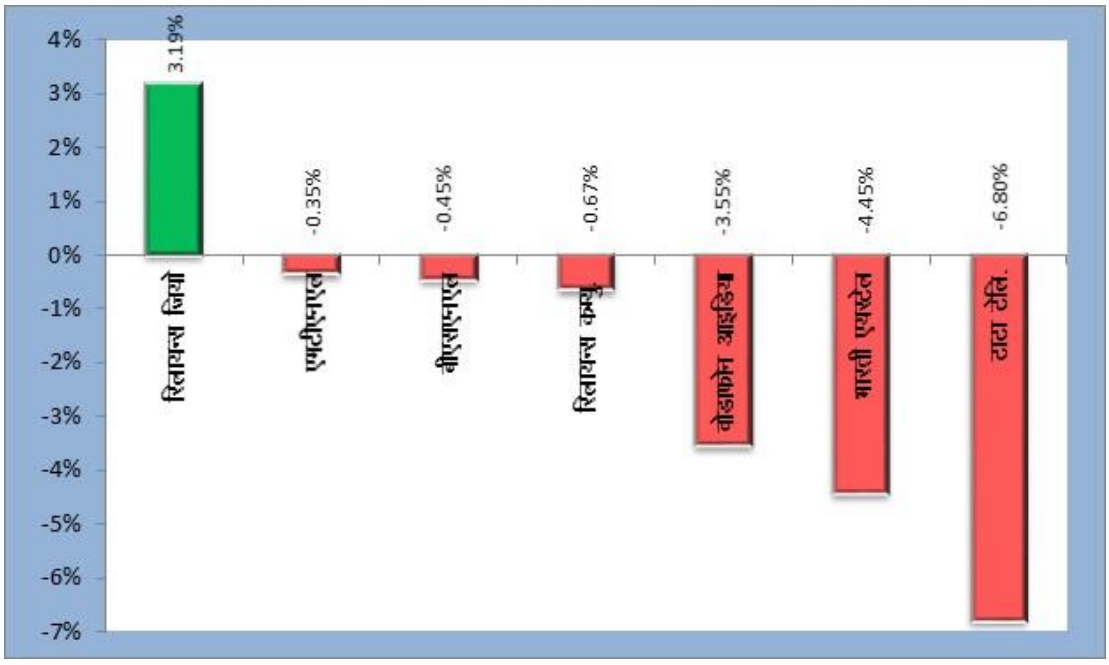

मार्च, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

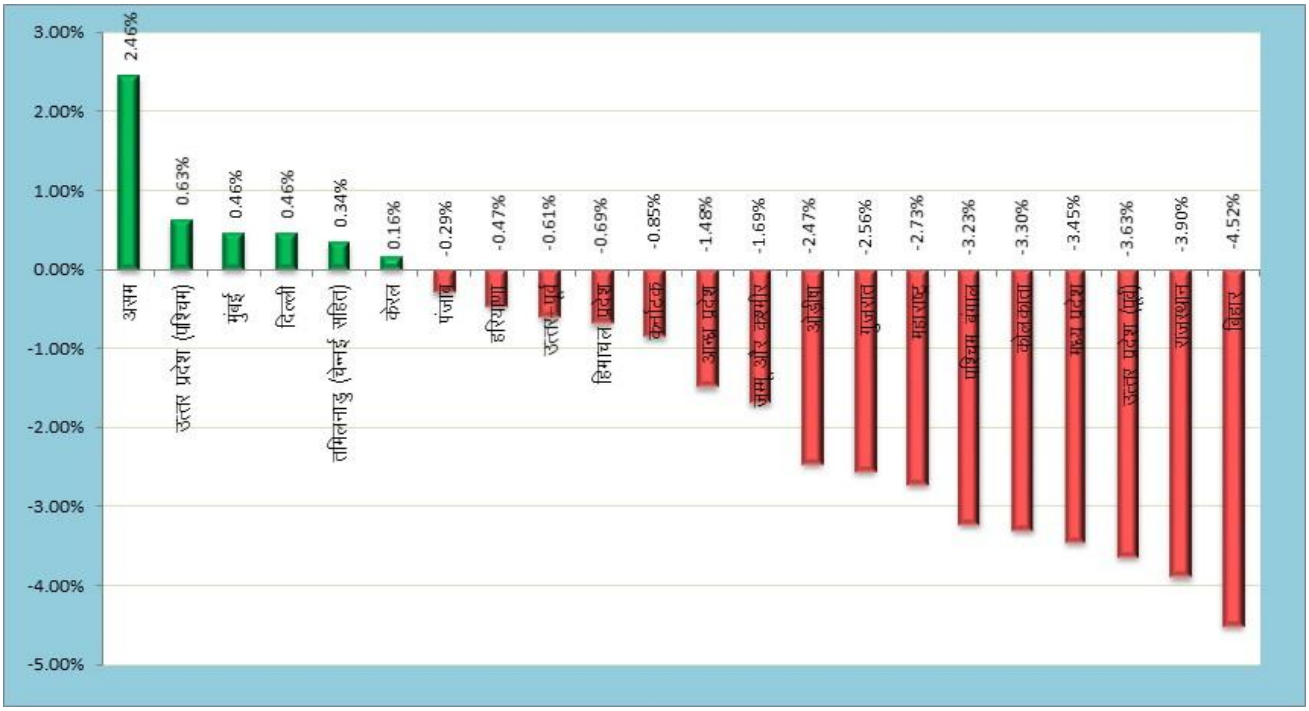

- मार्च, 2019 माह के दौरान केवल छह सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई। असम सेवा क्षेत्र में अधिकतम मासिक निबल वृद्धि दर्ज की गई तथा बिहार सेवा क्षेत्र में अधिकतम ह्रास दर दर्ज की गई है।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मार्च, 2019 के माह में कुल 5.30 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 3.30 मिलियन अनुरोधों में से 2.94 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.36 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध फरवरी, 2019 के अंत तक 423.11 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2019 के अंत तक 428.40 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 34.20 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 31.13 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 39.83 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 36.32 मिलियन) एवं तमिलनाडु में (लगभग 36.30 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	फरवरी, 2019	मार्च, 2019		फरवरी, 2019	मार्च, 2019
दिल्ली	21.71	22.02	आन्ध्र प्रदेश	35.93	36.32
गुजरात	27.96	28.43	असम	3.35	3.37
हरियाणा	15.38	15.60	बिहार	16.74	17.05
हिमाचल प्रदेश	2.05	2.08	कर्नाटक	39.50	39.83
जम्मू और कश्मीर	1.02	1.04	केरल	10.20	10.33
महाराष्ट्र	30.62	31.13	कोलकाता	10.22	10.31
मुंबई	21.84	22.04	मध्य प्रदेश	27.69	28.06
पंजाब	16.17	16.43	उत्तर–पूर्व	1.31	1.32
राजस्थान	33.89	34.20	ओड़ीशा	8.44	8.55
उत्तर प्रदेश–पूर्व	23.17	23.49	तमिलनाडु	35.92	36.30
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	18.64	18.93	पश्चिम बंगाल	21.37	21.57
कुल	**212.45**	**215.39**	कुल	**210.66**	**213.02**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**423.11**	**428.40**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मार्च, 2019 माह में)					5.30 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2019 के अंत तक 21.72 मिलियन से और घटकर मार्च, 2019 के अंत तक 21.70 मिलियन हो गया। इस माह में 0.09 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.02 मिलियन की निबल कमी हुई। मार्च, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 86.06 प्रतिशत तथा 13.94 प्रतिशत रही। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व मार्च माह के अंत में भी फरवरी माह के जैसा 1.65 रहा। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.46 तथा 0.34 रहा।

- मार्च, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 66.42 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। मार्च, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

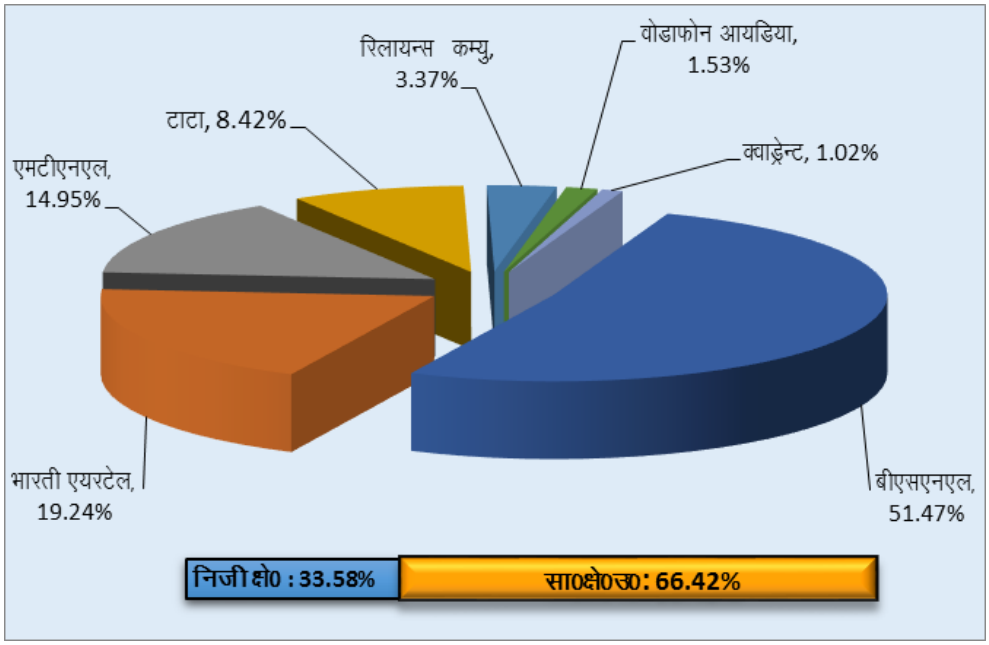

मार्च, 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

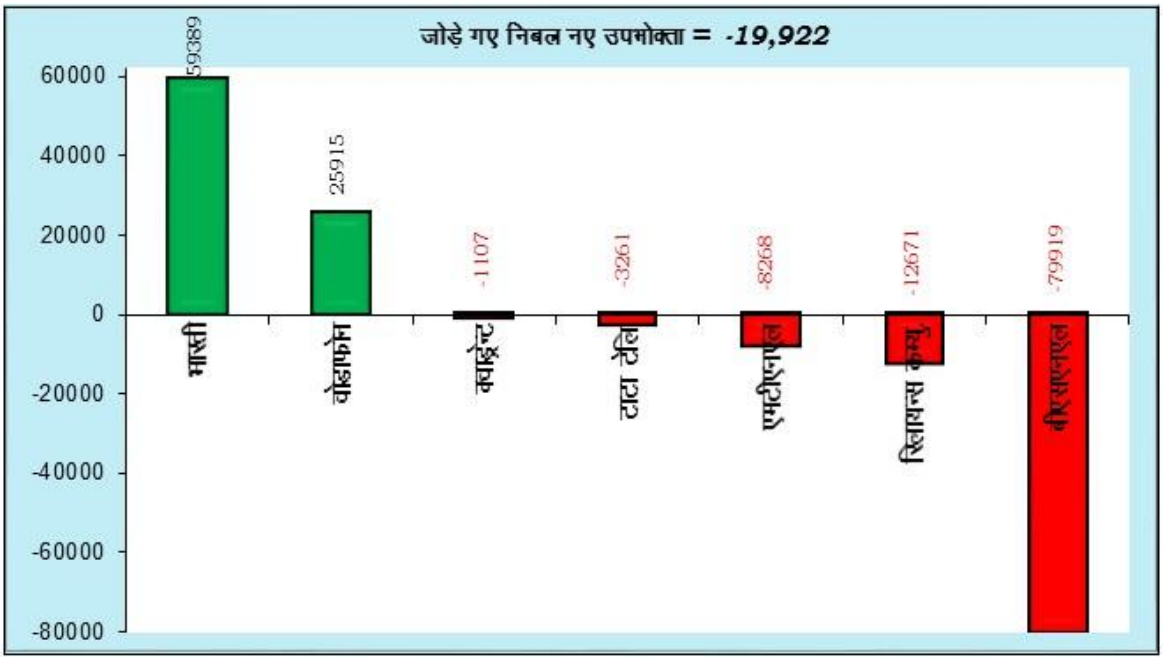

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- 315 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फरवरी, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 550.24 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2019 के अंत में 563.31 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.37 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		मार्च, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 28 फरवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.29	18.42	0.72%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	531.54	544.37	2.41%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.42	0.52	24.33%
कुल	**550.24**	**563.31**	**2.37%**

- मार्च, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.67 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (306.72 मिलियन), भारती एयरटेल (114.62 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.22 मिलियन), बीएसएनएल (22.14 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (2.10 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

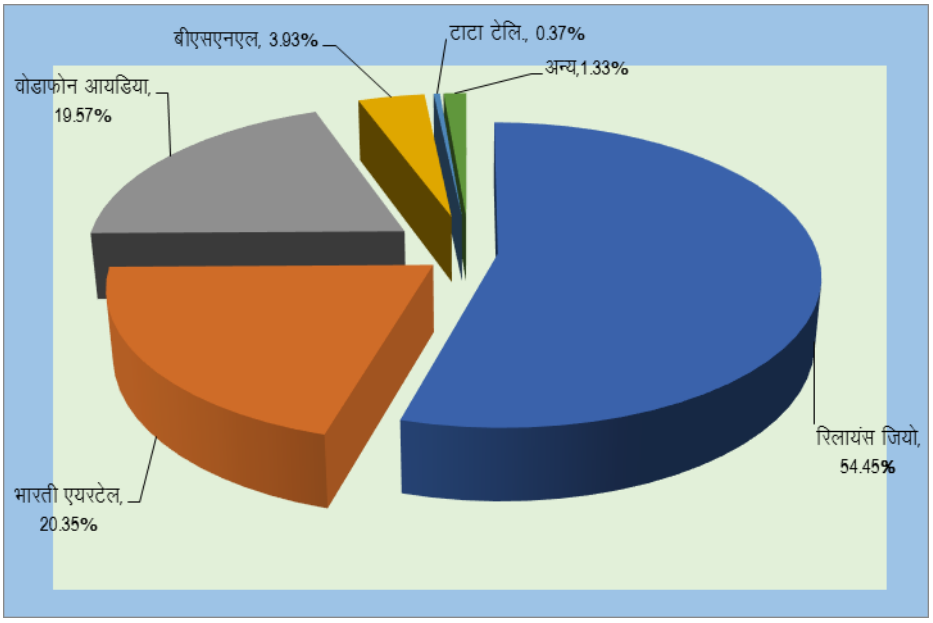

- दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.21 मिलियन), भारती एयरटेल (2.36 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.42 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.81 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.76 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (306.72 मिलियन), भारती एयरटेल (112.26 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (110.20 मिलियन), बीएसएनएल (12.93 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.68 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	भारती		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		टाटा टेलि.		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल	
	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019
आन्ध्र प्रदेश	29803288	28220681	1919	1923	22632175	22283084	1567617	1484357	10147764	10171597					23884329	24568739	88037092	86730381
असम	8387735	8188605			5493436	5993877			2502807	2560859					6031027	6223002	22415005	22966343
बिहार	39365655	36979492	187	192	22708688	20887026	270623	246948	5284522	4566337					21474536	22399889	89104211	85079884
दिल्ली	15161922	15644514	2775	2623	19533394	18983299	20	20					2215617	2213046	14983601	15294371	51897329	52137873
गुजरात	12320998	11527108	409	490	33216380	31642967	757856	687200	5915704	5958786					18910786	19482308	71122133	69298859
हरियाणा	3816304	3937921	157	167	11004097	10605018	753295	707059	4906008	4928753					7370933	7541842	27850794	27720760
हिमाचल प्रदेश	3615002	3395637	72	72	1311235	1409059	3221	2774	2804626	2822517					2857055	2888273	10591211	10518332
जम्मू और कश्मीर	5639669	5462946			1273347	1242344			1231687	1242060					3385087	3387436	11529790	11334786
कर्नाटक	27193785	26776908	1878	1761	15436841	14931069	2918884	2751604	7178488	7197784					16101111	16584577	68830987	68243703
केरल	5133759	5249759	338	379	20439838	20249640	278942	252872	10868008	10890618					7163079	7313052	43883964	43956320
कोलकाता	6439257	6150183	34	34	9534292	9085628	980404	921787	1896262	1571580					8386791	8608156	27237040	26337368
मध्य प्रदेश	15615637	14820329	721	727	31616279	29061279	1743985	1621001	6132619	6181330					22359824	23113410	77469065	74798076
महाराष्ट्र	16403619	15217675	769	728	48106467	45872515	1430241	1311424	7108327	7204097					22585005	23418625	95634428	93025064
मुंबई	8449569	8966426	5092	5070	15768365	15224742	719749	658572					1249702	1240177	11645426	11918598	37837903	38013585
उत्तर–पूर्व	5337843	5192375			2280327	2375119			1669984	1601944					2774210	2818913	12062364	11988351
ओड़ीशा	13114170	12178352	127	138	5458096	5161435	466573	427153	5700991	5747860					8782523	9179431	33522480	32694369
पंजाब	10364241	10087180	203	219	10997595	10916410	813501	756145	5408371	5452464					11772092	12028763	39356003	39241181
राजस्थान	23357537	21816582	338	347	18253004	16662225	101331	90625	5842883	5907492					19280561	19754424	66835654	64231695
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25771860	25206041	2875	2829	23907799	24207464	1297656	1189091	11960560	12051558	40786	77989			19103813	19631847	82085349	82366819
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	32742229	30403507	684	732	35998380	33836712	1621908	1529282	11946298	11844571					20422130	21384985	102731629	98999789
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13775731	12722363	62	62	28022189	28936225	1252774	1189200	5954341	5942389					15177976	15795454	64183073	64585693
पश्चिम बंगाल	18502998	17036682	478	497	26378457	25269876	31415	26562	1764919	1819980					12783086	13388741	59461353	57542338
कुल	**340312808**	**325181266**	**19118**	**18990**	**409370681**	**394837013**	**17009995**	**15853676**	**116225169**	**115664576**	**40786**	**77989**	**3465319**	**3453223**	**297234981**	**306724836**	**1183678857**	**1161811569**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-15131542		-128		-14533668		-1156319		-560593		37203		-12096		9489855	0	-21867288
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*157499361*	*149144364*	*0*	*0*	*215081102*	*207146349*	*2272559*	*2077600*	*40379934*	*36589621*	*0*	*0*	*46306*	*46253*	*111825749*	*116320687*	527105011	511324874

अनुलग्नक–**II**

मार्च, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा टेलि.	कुल
आन्ध्र प्रदेश	103.78	64.47	98.52		73.22	83.93	0.72	**90.43**
असम	98.92	60.64	80.90			95.24		**88.95**
बिहार	97.26	62.72	104.38		56.77	95.28	0.02	**96.35**
दिल्ली	88.96		90.00	23.06	98.28	74.84	-	**82.40**
गुजरात	98.13	50.76	96.13		39.80	76.25	0.02	**86.02**
हरियाणा	117.11	36.70	92.81		46.71	66.23	0.48	**76.70**
हिमाचल प्रदेश	95.29	42.97	81.05		59.72	72.21	0.00	**72.98**
जम्मू और कश्मीर	95.09	67.01	80.32		-	77.58		**85.16**
कर्नाटक	103.63	62.27	93.83		120.84	82.12	0.50	**87.74**
केरल	99.08	66.12	93.36		54.09	68.45	5.04	**82.64**
कोलकाता	104.41	57.12	92.05		97.06	79.91	5.09	**85.84**
मध्य प्रदेश	104.45	54.37	94.40		56.12	92.62	0.22	**90.49**
महाराष्ट्र	106.01	55.40	97.17		79.53	91.19	0.25	**92.51**
मुंबई	82.46		77.48	48.62	67.51	78.86	0.00	**76.80**
उत्तर–पूर्व	99.27	75.95	80.79		-	91.16		**90.59**
ओड़ीशा	99.68	73.58	94.65		47.10	91.11	0.36	**90.59**
पंजाब	103.32	47.65	91.05		44.75	70.69	0.07	**80.18**
राजस्थान	98.83	47.78	96.17		51.30	82.45	0.32	**88.27**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	99.62	70.16	92.96		71.51	76.43	0.76	**86.37**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	107.14	43.47	94.14		52.32	93.87	0.15	**90.56**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	111.40	44.62	86.33		59.68	83.90	0.13	**85.25**
पश्चिम बंगाल	98.07	91.26	91.03		46.68	90.70	0.70	**93.00**
कुल	**100.82**	**57.56**	**93.27**	**32.24**	**74.79**	**84.04**	**0.69**	**87.94**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स कम्यु.		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन			
	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019	फरवरी, 2019	मार्च, 2019
आन्ध्र प्रदेश	963708	960344			180695	199419	47497	47011	175213	173298			41730	59790	**1408843**	**1439862**
असम	112736	111518											2850	2850	**115586**	**114368**
बिहार	217854	215515					3217	3234	8364	8369			1710	1740	**231145**	**228858**
दिल्ली			1485383	1481900	1423397	1443935	119866	119290	153571	155756			54300	55670	**3236517**	**3256551**
गुजरात	1006150	1009423			84485	91049	19843	19608	87092	87465			26480	27803	**1224050**	**1235348**
हरियाणा	211183	209003			23065	23203	2736	2701	35730	35083			210	210	**272924**	**270200**
हिमाचल प्रदेश	110612	110078					2796	2795	1851	1789			60	60	**115319**	**114722**
जम्मू और कश्मीर	102452	102447													**102452**	**102447**
कर्नाटक	1026583	1021570			681203	683367	137081	132910	273069	272238			42895	44497	**2160831**	**2154582**
केरल	1797358	1783570			60279	61265	16827	16836	18849	18915			2970	3450	**1896283**	**1884036**
कोलकाता	491254	479590			128772	129470	39746	39406	52654	53116			8780	8900	**721206**	**710482**
मध्य प्रदेश	653663	650594			242605	243345	10553	10478	15161	14571			1050	1050	**923032**	**920038**
महाराष्ट्र	1095716	1084062			91769	94489	47763	46613	281228	278280			18560	20274	**1535036**	**1523718**
मुंबई			1766525	1761740	367590	370665	176821	173263	560615	559627			55301	55302	**2926852**	**2920597**
उत्तर–पूर्व	103675	103881											270	270	**103945**	**104151**
ओड़ीषा	222361	223052					2463	2490	7747	8219			2100	2280	**234671**	**236041**
पंजाब	399135	394359			129926	132046	11833	11361	12443	12326	222961	221854	1680	1680	**777978**	**773626**
राजस्थान	441961	439056			54245	55275	20932	20589	11256	11455			9850	10030	**538244**	**536405**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1434734	1423913			556898	556766	71445	70448	119298	120153			19565	20360	**2201940**	**2191640**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	357813	357470			66289	66160	6528	6327	8070	8233			11960	12020	**450660**	**450210**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	267109	265817			23518	23671	3469	3381	4765	4820			4170	4170	**303031**	**301859**
पश्चिम बंगाल	231541	222417					1684	1688	2368	2370			120	120	**235713**	**226595**
कुल	**11247598**	**11167679**	**3251908**	**3243640**	**4114736**	**4174125**	**743100**	**730429**	**1829344**	**1826083**	**222961**	**221854**	**306611**	**332526**	**21716258**	**21696336**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-79919		-8268		59389		-12671		-3261		-1107		25915		-19922
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2953865	2928367	0	0	0	0	1475	1444	49814	49280	46024	45572	0	0	**3051178**	**3024663**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————